BECC-131

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी. 131

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.सी. 131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य (जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए के लिए)

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी. 131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य - ए में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु की ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य - बी में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यहाँ आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य – सी में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2019 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रैल 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2020 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	31 अक्टूबर 2020	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिये गये सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ !!!

अर्थषास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.ई.सी.सी. 131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी. 131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./ जुलाई 2019 और जनवरी 2020
कुल अंक : 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य - ए

इन विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर 500–500 शब्दों में लिखें।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत हैं। **2x 20=40**

1. (क) किसी फर्म के संदर्भ में 'अल्पकाल' और 'दीर्घकाल' की संकल्पना समझाइए।

   (ख) सीमांत लागत (MC), औसत सकल लागत (ATC), औसत परिवर्ती लागत (AVC) तथा औसत स्थिर लागत (AFC) के बीच संबंध स्पष्ट करें। निम्नलिखित दिये गये सकल लागत फलन से :

$$TC(Q) = 7Q^2 + 5Q + 75$$

   जहाँ Q उत्पादित मात्रा है, परिवर्ती लागत (VC), स्थिर लागत (FC), AVC AFC तथा ATC का आकलन करें।

अथवा

   (क) निजी और सामाजिक लागतों में भेद स्पष्ट करें।

   (ख) किसी रेखाचित्र का प्रयोग कर एक ऐसी फर्म के लिए अल्पकालिक औसत सकल लागत वक्र तथा दीर्घकालिक औसत सकल लागत वक्र के बीच संबंध का वर्णन करें जिसके लिए बढ़ते हुए आकार के पांच संयंत्रों I, II, III, IV, V से चयन करना संभव हो। यहाँ तीसरा संयंत्र दीर्घकाल में अभीष्टतम पाया गया है।

2. (क) एक निकृष्ट वस्तु के संदर्भ में कीमत परिवर्तन के आय और प्रतिस्थापन प्रभावों पर चर्चा करें।

   (ख) रेखाचित्र 1 में दर्शाये गये माँग वक्र AC पर विचार करें। अंतर AB तथा BC को क्रमशः x तथा y माना गया है।

   (i) बिंदु C पर वस्तु की माँग की कीमत लोच क्या होगी?

   (ii) यदि बिंदु B पर लोच का मान 1 इकाई हो तो x तथा y के बीच क्या संबंध होगा?

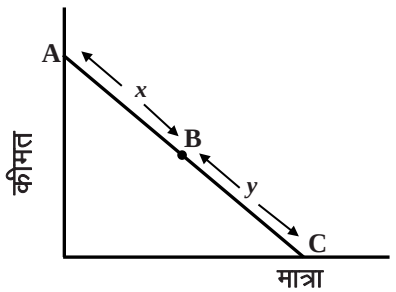

चित्र 1

अथवा

(क) गिफन पदार्थ एक विशेष प्रकार के निकृष्ट पदार्थ होते हैं। क्या आप सहमत हैं? कारण बताइए।

(ख) (i) रेखाचित्र 2 पर विचार करें। यहाँ DD' किसी वस्तु का आयताकार माँग वक्र है। इस वस्तु की माँग की लोच के मान बिंदु A तथा B पर क्या होंगे?

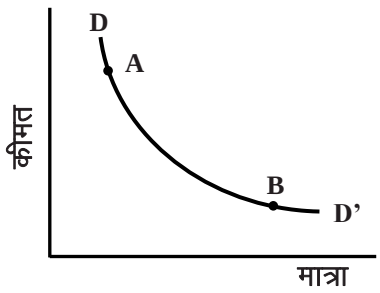

चित्र 2

(ii) मान लें कि माँग की कीमत लोच 0.6 है। यदि वस्तु की कीमत में 10% की कमी हो जाए तो आप माँग की मात्रा के बारे में क्या आशा करेंगे?

सत्रीय कार्य – बी

इन मध्यम उत्तर प्रश्नों के उत्तर 250–250 शब्दों में लिखें।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत हैं। **3x 10=30**

3. अधिकतम किराया सीमा से अधिक किराया वसूलना मना होता है। मान लें कि सरकार अधिकतम किराया सीमा लागू करना चाहती है :

(क) एक रेखाचित्र द्वारा इस किराया सीमा के किराए हेतु घरों की माँग और आपूर्ति पर प्रभाव समझाएँ, यदि यह सीमा बाज़ार संतुलन किराये से कम हो।

(ख) यदि किराया सीमा बाज़ार संतुलन किराए से उच्च तय की जाए तो किराए के घरों की माँग और आपूर्ति पर क्या प्रभाव होंगे?

अथवा

(क) एक रेखाचित्र द्वारा समझाएं कि माँग की कीमत लोच जितनी अधिक होगी, इकाई कर के भार का उतना अधिक अंग उत्पादक पर पड़ेगा।

(ख) किसी वस्तु के माँग और आपूर्ति वक्र $Q_D = 110 - 5P$ तथा $Q_S = 6P$ हैं जहाँ P, Q_D तथा Q_S क्रमशः कीमत, माँग की मात्रा और आपूर्ति की मात्रा है। विलोम माँग एवं आपूर्ति फलन तथा बाज़ार संतुलन कीमत एवं मात्रा ज्ञात करें।

4. उपभोक्ता दो वस्तुओं, X तथा Y का उपभोग करता है जिनकी कीमतें क्रमशः P_X और P_Y हैं। मान लें कि X की कीमत वृद्धि होकर P_X' हो जाती है। इस कीमत वृद्धि के प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभावों में प्रथक करें। हिक्स की विधि का प्रयोग करें।

अथवा

क्या समधिमान वक्र की बजट रेखा से स्पर्शता सदैव उपभोक्ता की उपयोगिता को अधिकतम करने की समस्या का अभीष्ट समाधान देगी? चर्चा करें।

5. (क) सीमांत तकनीकी प्रतिस्थापन दर (MRTS) की परिभाषा करें।

(ख) यदि उत्पादन के दोनों साधन परस्पर पूर्ण प्रतिस्थापक हों तो उस सम-उत्पादक वक्र का आकार कैसा होगा तथा यदि हम उस सम-उत्पाद वक्र पर नीचे की ओर चलें तो MRTS का मान क्या रहेगा?

अथवा

(i) 'दी हुई लागत पर उत्पादन को अधिकतमीकरण', (ii) 'दिये हुए उत्पादन पर लागत का न्यूनतमीकरण' – इन दोनों शर्तों के आधार पर उत्पादक के संतुलन की तुलना कीजिये। क्या इन दोनों शर्तों का परिणाम एक जैसा होगा?

सत्रीय कार्य – सी

इन संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर 100–100 शब्दों में लिखें।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक नियत हैं। **5x 6= 30**

6. उत्पादन प्रक्रिया में परिवर्ती साधन के वृद्धिमान प्रतिफल किस कारण होते हैं?

7. आपूर्ति में परिवर्तन और आपूर्ति की मात्रा में परिवर्तन में भेद करें।

8. एक अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याओं पर चर्चा करें।

9. परिवर्ती अनुपातों का नियम एक अल्पकालिक संकल्पना है। क्या आप इससे सहमत हैं?

10. बाह्य मितव्ययताओं और बाह्य अपव्ययताओं में भेद स्पष्ट करें।